M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	HIN8003T
Title of the Course	**भक्तिकालीन काव्य**
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6
Credit of the course	4
Type of the course	Discipline Centric Compulsory (DCC) Course in Hindi
Delivery type of the Course	Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)
Prerequisites	B.A.
Co-requisites	None
Objectives of the course	1.हिंदी के भक्तिककालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 2.तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना। 3.पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
Learning outcomes	1. भक्ति कालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं में भक्ति और दार्शनिक चेतना का विकास हुआ। 2. सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों का विकास हुआ। 3. भक्ति आंदोलन की अवधारणा, भाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन, संतवाणी तथा उनके उपदेशों से आध्यात्मिक चेतना और मानसिक विरेचन हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	'कबीर ग्रंथावली' से निर्देशित पाठ्य अंश की व्याख्या एवं कबीर संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। **(12 Hours)**
UNIT -II	'नागमती वियोग खंड' के पदों की व्याख्या एवं जायसी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। **(12 Hours)**
UNIT-III	'भ्रमरगीतसार' से चयनित पदों की व्याख्या एवं सूरदास संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। **(12 Hours)**
UNIT-IV	'विनयपत्रिका' से पद संख्या 1 से 25 के पदों से व्याख्या एवं तुलसीदास संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। **(12 Hours)**

UNIT-V	भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ। **(12 Hours)**
Text Books	1. कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपादक : श्याम सुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। इसके सुमिरण और विरह को अंग पढ़ाए जाएँगे। 2. जायसी : जायसी ग्रंथावली,सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ('नागमती वियोगखंड') 3. सूरदास : भ्रमरगीत सार सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कमल प्रकाशन, नई दिल्ली (चयनित पद - 1,3,7,8,13,19 से 25, 29, 41, 50, 52, 54,62,64,69,71 से 78, 89 से 94, 105से 107, 110,115,121) 4. तुलसीदास : विनयपत्रिका, संपादक हरिचरण शर्मा, श्याम प्रकाशन, जयपुर (पद संख्या 1 से 25)
Reference Books	1. नवीन नंदवाना : संत दादूदयाल : जीवन और साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 2. बलदेव वंशी : कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला। 3. मैनेजर पाण्डेय : भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली। 5. रामचन्द्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली। 6. विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास -, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. शिव कुमार मिश्र : भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद। 8. हजारी प्रसाद द्विवेदी : कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 9. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 10. नंदकिशोर पांडेय :संत साहित्य की समझ, रचना प्रकाशन, जयपुर। 11. परशुराम चतुर्वेदी : उत्तरी भारत की संत परम्परा, भारती भंडार, प्रयाग, सं. 2008
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in